पाठ 18

पत्र

चेन्नई

प्रिय वहीदा, 05.02.2017

यहाँ आए पाँच दिन हो गए हैं। रोज कहीं न कहीं घूमने जाते हैं। वहाँ तो ठंड होगी, यहाँ बहुत गर्मी है। यहाँ जब लोग आपस में बात करते हैं तो मेरी समझ में नहीं आता है। मजे की बात बताऊँ ! यहाँ समोसे भी चावल के आटे के बनते हैं। मैंने यहाँ पर इडली, डोसा, साँभर, उपमा खूब खाए। यहाँ हर घर में नारियल और केले के पेड़ लगे हैं।

यहाँ आदमी कमीज और सफेद लुंगी पहनते हैं। लड़कियाँ फूलों का गजरा (वेणी) लगाती हैं।

समुद्र देखकर मैं तो दंग रह गई। इतना पानी, इतना पानी और उसमें इतनी ऊँची–ऊँची लहरें कि देखकर आनंद आ गया। हमने यहाँ का अजूबा साँपघर भी देखा। इन पाँच दिनों में मैंने तमिल भाषा के कुछ शब्द भी सीख लिए हैं।

बातें इतनी हैं कि मैं सब कुछ नहीं लिख पा रही हूँ। बाकी बातें आकर बताऊँगी। यहाँ के कुछ चित्र भेज रही हूँ।

तुम्हारी

सरोज

अभ्यास

1. पाठ के आधार पर उत्तर दो –
   - क. सरोज ने पत्र किसको लिखा है ?
   - ख. यह पत्र कहाँ से लिखा गया है ?
   - ग. सरोज ने चेन्नई में क्या–क्या देखा ?
   - घ. दूसरी भाषाएँ सीखने से क्या लाभ होता है ?
2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो –
   - क. मैंने यहाँ पर .... खाए।
   - ख. यहाँ पर समोसे भी .... आटे से बनते हैं।
   - ग. लड़कियाँ .... लगाती हैं।
3. वाक्य बनाओ–

   प्रेम   सादगी   लहरें   सीप   नारियल
4. बहुवचन बनाओ –

   स्त्री   लहर   लड़की   सीपी   समोसा
5. पत्र एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचता है ? पता करो और लिखो।
6. पत्र भेजने के लिए अन्तर्देशीय पत्र, लिफाफा, पोस्टकार्ड का प्रयोग किया जाता है। तुम भी एक लिफाफा बनाओ।
7. नीचे दिए गए अन्तर्देशीय पत्र पर अपने मित्र का नाम और पता लिखो–

❀ बच्चों को पत्र लेखन के विविध प्रकारों से परिचित कराएँ। कोई विषय देकर पत्र लिखने के लिए प्रेरित करें। [illegible]